



पंचदश
बिहार विधान-सभा

अष्टम् सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि $\frac{29 \text{ फाल्गुन, 1934 (श10)}{20 \text{ मार्च, 2013 (ई0)}}$

प्रश्नों की कुल संख्या 02

(1) जल संसाधन विभाग	02
		कुल योग	<u>02</u>

योजना पूरा करना

43. श्री सुमित कुमार सिंह—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जमुई जिलान्तर्गत सोनो प्रखंड के अति जनोपयोगी बरनार जलाशय का निर्माण कार्य वर्ष 1976 में प्रारंभ की गयी थी तथा 1985 में केन्द्रीय जल आयोग द्वारा 8380.76 लाख की योजना की स्वीकृति दी गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि योजना के वितरण प्रणाली का कार्य 1985 में प्रारंभ किया तथा गैमन इंडिया लि0 को 4696 लाख का डैम कार्य 1988-89 में आवंटित किया, जिसमें गैमन इंडिया लि0 द्वारा 1992-93 में मात्र 57.24 लाख कार्य आवंटन का 1.2 प्रतिशत ही कार्य किया ;

(3) क्या यह बात सही है कि 2005 में योजना का पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार कर प्राक्कलित राशि 590.98 करोड़ केन्द्रीय जल आयोग के पास स्वीकृति हेतु भेजा गया ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार का 36 वर्ष बीत जाने के पश्चात् आजतक उक्त योजना का कार्य 5 प्रतिशत भी पूरा नहीं करने का क्या औचित्य है ?

तटबंधों का पक्कीकरण

44. श्री विनोद प्रसाद यादव—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार राज्य भर में कृषि को बढ़ावा देने के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध करा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत निलाजन नहर परियोजना कार्यरत है, जिससे डोभी, शेरघाटी, बोधगया, गुरुआ एवं परैया प्रखंडों में सिंचाई का कार्य होता है ;

(3) क्या यह बात सही है कि निलाजन नहर परियोजना के तल में गाद भरे रहने एवं तटबंधों के कमजोर रहने से किसानों को सिंचाई कार्य में बाधा पहुँच रही है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार डोभी, शेरघाटी, बोधगया, गुरुआ एवं परैया प्रखंडों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु डैम के गाद की सफाई एवं नहर के तटबंधों का पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :

दिनांक 20 मार्च, 2013 (ई0)।

फूल झा,

प्रभारी सचिव,

बिहार विधान-सभा।